भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या : 252
गुरुवार, 8 अगस्त, 2024/17 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

नागर विमानन उद्योग का विकास

***252. डॉ. रानी श्रीकुमार:**
श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) देश में नागर विमानन उद्योग में संभावित विकास का ब्यौरा क्या है और इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए कितने कैप्टनों, पायलटों और एयरलाइन कर्मीदल के कर्मचारियों की आवश्यकता है;

(ख) देश के नागर विमानन उद्योग में कैप्टनों, पायलटों और एयरलाइन कर्मीदल के कर्मचारियों की कमी का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार की देश में नागर विमानन उद्योग में पायलटों की कमी की समस्या से किस प्रकार निपटने की योजना है;

(घ) देश में पायलट प्रशिक्षण संस्थानों की संख्या कितनी है तथा पायलटों के प्रशिक्षण की औसत लागत का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा पायलट प्रशिक्षण को निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले लोगों के लिए किफायती और सुलभ बनाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

नागर विमानन उद्योग के विकास के संबंध में डॉ. रानी श्रीकुमार और श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि द्वारा पूछे गए दिनांक 08.08.2024 के लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 252 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) और (ख): सरकार ने भारतीय विमानन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय नागर विमानन नीति, 2016 तैयार की है, जिसमें ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के माध्यम से और साथ ही 'उड़ान' योजना के तहत हवाईअड्डों के बुनियादी ढाँचे का विकास शामिल है। हवाई परिवहन की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए एयरलाइन प्रचालक अपने बेड़े में नए विमान शामिल करते हैं। प्रमुख एयरलाइनों द्वारा दिए गए ऑर्डर का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है। नागर विमानन मंत्रालय इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपेक्षित कैप्टन, पायलट और एयरलाइन क्रू स्टाफ की संख्या के बारे में ऐसा कोई डेटा नहीं रखता है।

वर्तमान में, भारतीय विमानन क्षेत्र में पायलटों और एयरलाइन क्रू की कोई कमी नहीं है।

पिछले पाँच वर्षों में जारी किये गए वाणिज्यिक पायलट लाइसेंसों (सीपीएल) की संख्या निम्नलिखित हैः

वर्ष	जारी किए गए सीपीएल
2019	744
2020	578
2021	862
2022	1165
2023	1622
2024 (दिनांक 17.07.2024 तक)	739
कुल	5710

(ग): देश में प्रशिक्षित पायलटों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे कदम निम्नानुसार हैं:
(i) देश में प्रशिक्षित पायलटों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने एक उदारीकृत उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) नीति शुरू की है, जिसके तहत हवाईअड्डा रॉयल्टी (एफटीओ द्वारा एएआई को राजस्व हिस्सेदारी का भुगतान) की अवधारणा को समाप्त किया गया है और भूमि किराए को काफी तर्कसंगत बनाया गया है।
(ii) वर्ष 2021 और 2022 में क्रमशः दो चरणों में प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के पश्चात, एएआई ने 10 हवाईअड्डों पर 15 एफटीओ स्लॉट अवार्ड किए हैं। इन स्लॉटों की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है:-

हवाईअड्डे	स्लॉटों की संख्या	स्थिति
बेलगावी (कर्नाटक)	2	1 कार्यशील
जलगांव (महाराष्ट्र)	2	सभी कार्यशील
कालाबुरागी (कर्नाटक)	2	सभी कार्यशील

खजुराहो (मध्य प्रदेश)	2	सभी कार्यशील
लीलाबाड़ी (असम)	1	कार्यशील
भावनगर (गुजरात)	2	1 कार्यशील
हुब्बल्ली (कर्नाटक)	1	प्रक्रियाधीन
कडप्पा (आंध्र प्रदेश)	1	प्रक्रियाधीन
किशनगढ़ (राजस्थान)	1	कार्यशील
सेलम (तमिलनाडु)	1	कार्यशील

(iii) नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नवंबर, 2021 से एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरों (एएमई) और फ्लाइंग क्रू (एफसी) उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन-ऑन डिमांड परीक्षा (ओएलओडीई) शुरू की है। इस सुविधा से उम्मीदवार उपलब्ध परीक्षा स्लॉट से तारीख और समय चुन सकते हैं।

(iv) डीजीसीए ने एफटीओ में उड़ान परिचालनों को प्राधिकृत करने के अधिकार के साथ उड़ान प्रशिक्षकों को सक्षम बनाने के लिए अपने विनियमों में संशोधन किया है। पूर्व में यह अधिकार केवल मुख्य उड़ान प्रशिक्षक (सीएफआई) या डिप्टी सीएफआई तक ही सीमित था।

(v) डीजीसीए ने सीएआर-147 (मूल)-अनुमोदित बुनियादी रखरखाव प्रशिक्षण संगठन विनियम जारी किया है। ये विनियम अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार हैं और ईएएसए विनियमों के अनुरूप हैं। यह विनियम विमान के रखरखाव के लिए सक्षम/कुशल श्रमशक्ति के विकास हेतु पाठ्यक्रम और कुशल प्रशिक्षण अपेक्षाओं को सरल बनाता है।

इन सुधारों से एफटीओ का विकास सुगम हुआ है और परिणामस्वरूप हाल के वर्षों में सीपीएल की संख्या में वृद्धि हुई है।

(घ): वर्तमान में, देश में 57 बेस पर 37 उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) प्रचालित हैं जो कैडेटों को उड़ान प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इन एफटीओ की सूची अनुलग्नक-II के रूप में संलग्न है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (आईजीआरयूए) में प्रशिक्षण की लागत 45 लाख रुपए है। इसमें ईंधन लागत के रूप में 16 लाख रुपये, उड़ान प्रशिक्षक लागत, विमान के रखरखाव और अन्य प्रशासनिक लागत के रूप में 25 लाख रुपये तथा सिम्युलेटर और ग्राउंड कक्षाओं की लागत के रूप में 4 लाख रुपये शामिल हैं।

(ङ): विमानन पाठ्यक्रमों की लागत को कम करने के लिए, नागर विमानन मंत्रालय ने उदारीकृत उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) दिशानिर्देशों को अनुमोदित किया है, जिनमें हवाईअड्डे की रॉयल्टी (एफटीओ द्वारा एएआई को राजस्व हिस्सेदारी का भुगतान) की अवधारणा को समाप्त कर दिया गया है और भूमि किराए को काफी तर्कसंगत बनाया गया है। इसके

अलावा, एफटीओ से लीज शुल्क या रियायत शुल्क, जो भी अधिक हो, के अलावा कोई अतिरिक्त प्रभार नहीं लगाया जाएगा।

अनुलग्नक I

लोक सभा के दिनांक 08.08.2024 के मौखिक प्रश्न संख्या 252 के उत्तर से संबंधित अनुलग्नक

प्रमुख एयरलाइनों द्वारा दिए गए विमान ऑर्डर

क्र. सं.	प्रचालक का नाम	विमान का प्रकार	ऑर्डर किये गये विमानों की संख्या	वर्ष	दिनांक **30.06.2024** तक पहले से आयातित विमानों की संख्या	शामिल करने की संभावित समय-सीमा
1	**एअर इंडिया समूह**	ए320/ए321	210	2023	23	वर्ष 2023 से 2032
		ए350	40	2023	6	वर्ष 2023 से 2032
		बी787	20	2023	-	वर्ष 2025 से 2034
		बी777	10	2023	-	वर्ष 2025 से 2034
		बी737-8	190	2023	22	वर्ष 2023 से 2032
2	**इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो)**	ए320 फैमिली	400	2015	205	किया जा रहा है
		ए320 फैमिली	300	2019	-	वर्ष 2025 के बाद से
		ए320 फैमिली	500	2023	-	वर्ष 2030 के बाद से
		ए350	30	2024		
		एटीआर 72-212ए (600 संस्करण)	50	2017	45	किया जा रहा है

3	**एसएनवी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (अकासा एयर)**	13737-8	76	2021	23	किया जा रहा है और वर्ष 2028 तक शामिल किया जाएगा
		बी737-8	150	2024	-	वर्ष 2027 से 2032
कुल			**1976**		**324**	

स्रोत: नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए)

टिप्पणी:

1. एयरलाइन प्रचालकों द्वारा विमानों को शामिल करने के साथ-साथ पट्टे की अवधि की समाप्ति के अनुरूप उनके मौजूदा विमानों की पुनः डिलीवरी/निर्यात भी किया जाएगा। इसलिए विमानों को शामिल करने से एयरलाइन बेड़े में वृद्धि के साथ-साथ समय के साथ मौजूदा बेड़े को बदले जाने की आवश्यकता भी पूरी होगी।
2. एयरलाइन प्रचालक वाणिज्यिक सरोकारों के आधार पर समय के साथ अपने बेड़े की आयोजना/अनुकूलन करेंगे।

अनुलग्नक II

लोक सभा के दिनांक 08.08.2024 के मौखिक प्रश्न संख्या 252 के उत्तर से संबंधित अनुलग्नक

उड़ान प्रशिक्षण संगठनों का राज्यवार वितरण

राज्य	**एफटीओ की संख्या**
बिहार	1
गुजरात	2
हरियाणा	2
झारखंड	1
कर्नाटक	2
केरल	1
मध्य प्रदेश	5
महाराष्ट्र	8
ओडिशा	1
पंजाब	1
राजस्थान	2
तमिलनाडु	1
तेलंगाना	4
उत्तर प्रदेश	6
कुल	**37**

स्रोत: नागर विमानन महानिदेशालय

******